एम0 एस0 डब्ल्यू–10
सामाजिक विकास एवं समाज कार्य
Social Development & Social Work

इकाई –1: सामाजिक विकास : एक परिचयः सामाजिक विकास की अवधारणा, सामाजिक विकास की विशेषताएँ, सामाजिक विकास के कारक,विकास के सामाजिक ढॉचे का अध्ययन,सामाजिक विकास की प्रकृति।

इकाई –2 : विकास के सिद्वान्त एवं प्रारूप :विकास के सिद्धान्त का अर्थ एवं परिभाषा,आदम स्मिथ का सिद्धान्त,रिकोर्डो का सिद्धन्त , थामस राबर्ट माल्थस का सिद्धान्त, जान स्टूअर्ट गिल का सिद्धान्त ,कार्ल मार्क्स का सिद्धान्त ,शुम्पीटर का सिद्धान्त ,डब्लू0 डब्लू0 रोस्टो का सिद्धान्त ,विकास के संस्थागत, प्रतिक्रियात्मक और वैश्विक सिद्धान्त , डैनियल लर्नन की ''पसिंग आफ ट्रेडिशनल सोसाइटी'',मैक्लीलैण्ड की ''अचीविंग सोशायिटी'',विकास के प्रारूप।

इकाई–3 : सामाजिक विकास : सहकारी आन्दोलन : सर्वोदय की अवाधारणा,सर्वोदय की विशेषताएं,सहकारी आन्दोलन,सहकारी अधिनियम ,रिजर्व बैक का सर्वेक्षण,सहकारी कर्मचारियों का प्रशिक्षण,ग्रामीण ऋण सर्वेक्षण समिति,सहकारी आन्दोलन के स्तर, प्राथमिक समितियॉ,केन्द्रीय समितियॉ (Central Societies)]भूदान ,ग्रामदान,लोक शक्ति,वैश्वीकरण व मानव विकास।

इकाई–4 : भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास के विभिन्न क्षेत्र :साामजिक परिवर्तन की अवधारणा,सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएं,आधुनिकीकरण एवं विकास सामाजिक एवं आर्थिक विकास,आर्थिक विकास के अवरोध।

इकाई–5 : मानव विकास : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्व :मानव विकास उद्देश्य,मानव विकास का महत्व,मानव विकास के सूचक,मानव विकास के सिद्धान्त।

इकाई–6 : मानव विकास : नीतियाँ एवं कार्यक्रम : बाल विकास,महिलासशक्तीकरण,युवा कल्याण,वृद्ध कल्याण,शिक्षा,स्वास्थ्य,आवास,सामाजिक सुरक्षा, अनुसूचित जाति व जनजाति,अन्य पिछड़ा वर्ग।

इकाई–7 : पंचायती राज : अवधारणा एवं विकास :पंचायती राज की अवधारणा,स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ग्राम पंचायत का इतिहास,स्वतंत्रता पश्चात् पंचायती राज,बलवंत राय मेहता कमेटी रिर्पोट,पंचायती राज का ढॉचा,पंचायती राज संस्था की संरचना एवं कार्य,सामाजिक विकास में सामुदायिक सहभागिता।

इकाई 8 : विकास– एक मानवाधिकार परिप्रेक्ष्य :मानव विकास की अवधारणा,मानव विकास का परिमापन,मानव विकास एवं मानवाधिकार,भारतीय संविधान के सामाजिक आदर्श,मौलिक अधिकार,मौलिक अधिकारों का स्वरूप,आलोचनात्मक समीक्षा।

इकाई 9 : ग्रामीण विकास :ग्रामीण विकास की अवधारणा,ग्रामीण पुनर्निर्माण के उपागम एवं रणनीतियाँ,ग्रामीण विकास का गांधीवादी उपागम,ग्रामीण विकास के विविध कार्यक्रम एवं उनका मूल्यांकन,ग्रामीण विकास में सहकारी संस्थाओं की भूमिका,ग्रामीण विकास से सम्बद्ध मुद्देः पर्यावरण का क्षरण, अशिक्षा, निर्धनता, ग्रामीण ऋणग्रस्तता एवं उभरती असमानताएँ, ।

इकाई 10 : नगरीय विकास : नगरीयता एवं नगरीकरण की अवधारणा,नगर नियोजन, नगरीय नीति एवं नगरीय विकास,नगरीय सामाजिक समूहों के लिए कल्याण कार्यक्रम,नगरीय विकास से सम्बद्ध समस्यायें,समीक्षात्मक मूल्यांकन।

इकाई 11 : जनजातीय विकास : जनजातीय विकास की अवधारणा,जनजातीय विकास के उपागम एवं नीतियाँ,उत्तराखण्ड की जनजातियाँ,भारत में जनजातीय विकास हेतु संवैधानिक प्रयास,भारत में जनजातीय विकास के विविध कार्यक्रम,जनजातीय विकास के विविध मुद्दे एवं चुनौतियां,जनजातीय विकास : एक मूल्यांकन।

इकाई 12 : परिवर्तन के कारक एवं प्रभाव :परिवर्तन के कारक,नगरीकरण,प्रवास, औद्योगिकरण,प्रकृति एवं मानव सम्बन्धों का परिवर्ती स्वरूप,उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण के प्रभाव।

संदर्भ ग्रन्थ सूचीः–

- Ghosh, S. – The Feeding and care of Infants and young children, Delhi: Voluntary Health Association of India.
- Naidu, U.S. & Nakhate, V.S. – Child Development Studies in India, Bombay: Tata Institute of Social Sciences.
- Papalia, D.F.& Olds, S.W. – Human Development, Tokyo: Mc Graw Hill.
- Erikson, E.H. (1963) – Childhood and Society, New York: Norton.
- Bower, T.G.R. (1974) – Development in Infancy, San Francisco: W.H. Freeman.